Nisha Sharma

JBT, Government Primary School Bagahar, Cluster - Devgarh,
Education Block-Kotkhai, District-Shimla Himachal Pradesh 171202
Permanent Address: D/O Sh. Diwakar Dutt Sharma Vill: Khamana
PO: Shoghi Tehsil & Distt: Shimla (HP) 171219
Mob: 9418392885 Email ID: nishas98765@gmail.com

Date: 31-12-2023

बचपन से ही जब कभी भीख मांगते, फटेहाल गरीबी को सीने से लगाए, कूड़ा बीनने वाले बच्चों को देखती, तो एक प्रश्न सदैव मेरे मानस पटल पर खड़ा होता, जीवन में क्या चाहिए? रोटी, कपड़ा, मकान या फिर कुछ और?

इस प्रश्न के उत्तर को बहुत खोजा पर फिर भी निरुत्तर रही। दिल में टीस उठती, मन व्यथित होता, आत्मा कचोटती कि शिक्षित युवा होने के बावजूद राष्ट्र निर्माण में मेरी क्या भूमिका है? क्या समाज में इन बच्चों को उनके हाल पर छोड़ दूं या फिर ऐसे बच्चों की उम्मीद बनूं?

फिर आचार्य चाणक्य के ख्याल से मैं टकराई, वे कहते थे- "शिक्षक कभी साधारण नहीं होता, प्रलय और निर्माण उसकी गोद में बसते हैं।" और इसी ख्याल ने मुझे राष्ट्र निर्माण के कठिन और बहुत ही आनंदमयी रास्ते पर धकेल दिया, और मैं निकल पड़ी, उस डगर पर, जो आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। डाइट शामला घाट शिमला से JBT का अध्ययन किया और मेरे शिक्षक बनने के विचार को और शक्ति मिली, जब वहां के कुशल व विवेकी अध्यापकों ने मुझे न केवल पढ़ाया बल्कि जीवन के आदर्श, नैतिक मूल्य, समाज के प्रति जिम्मेदारी, कर्तव्य परायणता, दृढ़ संकल्प, ना जाने कितने ही दुनियादारी के व्यावहारिक पाठ मुझे सिखाए और एक नई उमंग, तरंग, जोश और स्फूर्ति के साथ, मैं राष्ट्र निर्माण के लिए वास्तविक रूप से कुछ करने के लिए अति उत्साहित हुई, जब 6 फरवरी 2014 को एक राष्ट्र निर्माता के रूप में मेरी नियुक्ति राजकीय प्राथमिक पाठशाला बगाहर शिक्षा खंड कोटखाई में हुई। ऐसा महसूस हुआ जैसे किसान को फसलों से लहलहाता खेत मिल गया हो। मेरी खुशी और गर्व दोनों चरमोत्कर्ष पर थे। नए परिवेश, नए लोग, नए क्षेत्र, जो सेब की वादियों के लिए विश्व विख्यात है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ मानो आसमान को छू रहे हो, दृढ़ता का पाठ पढ़ा रहे हो और मैं इन्हीं भावों को जीते हुए स्कूल में पहुंची।

हैरत में डालने वाला दृश्य मेरे सामने था। मन को झकझोर देने वाली वही बचपन की मार्मिक तस्वीर आंखों के सामने दृष्टिगोचर हो गई। एक गौशाला जिसे स्थानीय भाषा में ओबरा कहते हैं, में तीन गाय, दो बछड़े, दो बैल और कुछ बकरियां। एक तरफ गौशाला और दूसरी ओर दो टाटपटियां, कुछ बर्तन, एक ट्रंक, एक मेज़, दो कुर्सियां और 4 फुट दरवाजे वाली, मेरी होने वाली पाठशाला खुली बाहों से मेरा स्वागत कर रही थी। ईमानदारी से कहूं, तो मैं विचलित हो गई। चुनौतियों, कठिनाइयों और परेशानियों का कंधे पर आने वाला भार कम ना था। वास्तव में सरकारी स्कूल में पढ़ाना सिर्फ पढ़ाना भर नहीं होता, यहां पढ़ना होता है उन हालातों को, जिसमें हमारे बच्चे रह रहे हैं, जी रहे हैं। पर एक चीनी दार्शनिक लाओत्से की पंक्ति ने क्षण भर में मेरी सोच व जीवन के रुख को बदल दिया।

"A journey of a thousand miles begins with a single step."

चुनौती थी कि कैसे इस तथाकथित पाठशाला का कायाकल्प किया जाए? मेरे मन में अपनी योजनाएँ थीं। मुझे नहीं पता था कि मैं उन्हें कैसे लागू करूंगी? मैंने अपनी यात्रा धीरे-धीरे और लगातार शुरू की। मैंने स्थानीय लोगों, समुदाय के लोगों के साथ बातचीत करना शुरू किया। पहला काम जो मैंने किया, वह था लोगों को विश्वास में लेना और समुदाय का सहयोग सुनिश्चित करना। पाठशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा समुदाय के लोगों से निरंतर संवाद ज़ारी रखा। सभी के प्रयास से पाठशाला के भवन निर्माण के लिए विभाग द्वारा 18 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई। समुदाय के सहयोग से स्थानीय ग्रामवासी श्री सुरेश शर्मा ने पाठशाला भवन निर्माण के लिए जमीन दान दी। अभिभावकों के सहयोग से और पाठशाला प्रबंधन समिति के सहयोग से वर्ष 2016 में पाठशाला भवन निर्माण का कार्य पूरा किया गया तथा विधिवत रूप से नए भवन में कक्षाएं शुरू की गई।

पाठशाला में पाठशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों को समय-समय पर जागरूक किया गया। गुणात्मक शिक्षा के द्वारा ही जीवन की नींव को सुदृढ़ बनाया जा सकता है, यह बात उन्हें समझाई गई। फिर पाठशाला प्रबंधन समिति के सदस्यों के सहयोग से वर्तमान प्रतिस्पर्धा को देखते हुए छात्रों के लिए 6 अतिरिक्त विषय शुरू किए गए। कंप्यूटर, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, योग, सामान्य ज्ञान, संगीत, इन विषयों की पुस्तकों का प्रावधान किया गया तथा इसका पूरा खर्च, मैंने स्वयं वहन किया।

प्राइवेट स्कूल के प्रति रुझान को देखते हुए अभिभावकों के सहयोग से बच्चों को विभाग के द्वारा प्राप्त वर्दी के अतिरिक्त अन्य वर्दी का प्रावधान भी किया गया। साथ ही ट्रैक सूट भी बनवाए गए, जिसके खर्च का वहन पाठशाला प्रबंधन समिति और अभिभावकों के द्वारा किया गया। माध्यम को हिंदी से बदलकर अंग्रेजी करने के बाद मैंने अथक प्रयास किया तथा अनेक सामाजिक संस्थाओं से संपर्क स्थापित किया और पाठशाला के लिए दो कंप्यूटरों का प्रावधान किया। तत्कालीन राज्य परियोजना अधिकारी, श्री आशीष कोहली जी द्वारा और दो कंप्यूटर पंजाब नेशनल बैंक, अनाज मंडी शिमला द्वारा पाठशाला को दिलवाए गए। अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्तमान समय में पाठशाला में कंप्यूटर लैब है, जिसमें 4 डेस्कटॉप और 10 लैपटॉप हैं। कंप्यूटर एक विषय के तौर पर पढ़ाया जा रहा है तथा शिक्षण अधिगम को रुचिकर बनाने के लिए लेटेस्ट सॉफ्टवेयर्स, गेम्स,पजल्स,राइम्स, ऑडियोज, यूट्यूब वीडियो भी कंप्यूटर में इंस्टॉल किए गए। जिसका बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला। हमारी पाठशाला राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत आने वाली हिमाचल प्रदेश की पहली प्राथमिक पाठशाला है। पाठशाला में Maths Corner और Science Corner बनाएं गए हैं जिसमें छात्र अनेक गतिविधियाँ करते हैं।

वर्ष 2017 में तत्कालीन राज्य परियोजना अधिकारी श्री घनश्याम चंद जी द्वारा विद्यालय पुस्तकालय में पुस्तकों का प्रावधान करने के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई वर्तमान समय में पुस्तकालय में 1,100 पुस्तक हैं। बच्चों के लिए पाठशाला में Reading Club बनाया गया है। वर्ष 2017 में अध्यापक दिवस के अवसर पर पाठशाला में एक भव्य आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय रिटायर्ड टीचर्स को सम्मानित किया गया तथा श्री चेतराम आजाद जी द्वारा कम्युनिटी लाइब्रेरी के लिए ₹15000 की राशि भी प्रदान की गई। वर्ष 2019, दिसंबर से पाठशाला में एक सामुदायिक पुस्तकालय भी शुरू किया गया। जिसके लिए लगभग 500 पुस्तकों का प्रावधान तत्कालीन शिक्षा मंत्री हिमाचल प्रदेश द्वारा समग्र शिक्षा के सहयोग से किया गया। इस पुस्तकालय को पाठशाला में सुबह 9:00 बजे से 10:00 बजे तक तथा शाम को 4:00 बजे से 5:00 बजे तक चलाया जा रहा है। अभिभावकों के साथ-साथ इस पुस्तकालय से समुदाय के लोग भी पुस्तकें लेकर पढ़ते हैं।

छात्रों के लिए 10:00 से 4:00बजे के अतिरिक्त पाठशाला प्रबंधन समिति की सहमति से सुबह 8:00 बजे से 10:00 बजे तक और शाम को 4:00 से 6:00 बजे तक एक्स्ट्रा क्लासेस का प्रबंध भी किया गया है। स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पाठशाला में प्रथम कक्षा में छात्रों का नामांकन सुनिश्चित बनाने के लिए पाठशाला में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू की जाएं और इस तरह से पाठशाला में प्री-नर्सरी, नर्सरी और के०जी० कक्षा शुरू हो गई। इसका पाठशाला को बहुत लाभ हुआ और छात्रों का नामांकन भी बड़ा। छात्रों की संख्या 3 से बढ़कर 48 हो गई। और वर्ष 2024 में पाठशाला का नामांकन बढ़कर 60 होने की संभावना है।

शिक्षा का कार्य व्यक्ति का संपूर्ण विकास करना है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पाठशाला में अनेक co-curricular activities का आयोजन सुचारु रूप से करवाया जाता है। जैसे रंगोली कंपटीशन, राइटिंग कंपटीशन,पोयम रेसिटेशन, सोलो सॉन्ग, ग्रुप सॉन्ग, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, इंडिपेंडेंस डे सेलिब्रेशन, डिक्लेमेशन, वाटर डे, स्लोगन राइटिंग कंपटीशन, फैंसी ड्रेस कंपटीशन, क्विज कंपटीशन, रोल प्ले कंपटीशन, पोस्टर मेकिंग कंपटीशन, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग कंपटीशन आदि।

छात्रों द्वारा Block Level, District Level और State Level पर खेलकूद प्रतियोगिता में सक्रिय भाग लिया गया और शानदार प्रदर्शन दिखाया गया। वर्ष 2016 में जिला स्तर पर एकांकी में बच्चों ने भाग लिया जिसका शीर्षक था "कलयुग के श्रवण" और द्वितीय स्थान प्राप्त किया वर्ष 2017 में फिर से मेरे स्कूल के बच्चों ने एकांकी में भाग लिया और ब्लॉक, जिला और स्टेट लेवल पर प्रथम स्थान हासिल किया। जिस एकांकी का शीर्षक था "हार गई जिंदगी" , जो कोटखाई में हुए दर्दनाक हादसे को बयां करती है। वर्ष 2022 में फिर से मेरे स्कूल के बच्चों ने एकांकी, भाषण प्रतियोगिता, लोक नृत्य, एकल गान, समूह गान में भाग लिया और ब्लॉक, जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। स्टेट लेवल पर द्वितीय स्थान हासिल किया। जिस एकांकी का शीर्षक था "प्रकृति से छेड़छाड़ करोना", जिसमें बच्चों ने कोरोना से प्रभावित जीवन की परिस्थियों को दर्शाने का प्रयास किया। वर्ष 2023 में फिर से मेरे स्कूल के बच्चों ने एकांकी में भाग लिया और ब्लॉक, जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। जिस एकांकी का शीर्षक था "धान", जिसमें बच्चों ने किसान के जीवन की दशा और दिशा को दर्शाने का प्रयास किया। खास बात यह है कि इन सभी गतिविधियों के आयोजन में अभिभावकों का

सहयोग हर पल, हर क्षण रहा। इन गतिविधियों के लिए सामग्री बनाने से लेकर हर स्तर पर आयोजन के समय बच्चों को तैयार करने में अभिभावकों का ही सहयोग रहा। मैं जितने दिन भी टूर्नामेंट में रही, जहाँ-जहाँ भी बच्चों को लेकर गई....मेरे बच्चों के अभिभावक हमेशा मेरे साथ थे।

राष्ट्रीय कवि संगम द्वारा आयोजित की गई श्री राम काव्य पाठ प्रतियोगिता 2021 में 22,000 प्रतिभागियों में से हमारी पाठशाला का छात्र आरव शर्मा राष्ट्रीय स्तर की फाइनल प्रतियोगिता में पंहुचा तथा प्रथम स्थान हासिल किया । फिर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री राम नाथ कोविंद के समक्ष भी आरव ने अपना कविता पाठ सुनाया । वर्ष 2023 में आरव शर्मा ने TV Show, "किसमें कितना है दम" (KKHD), में भाग लिया। आरव ने इस कार्यक्रम में ग्रैंड फिनाले में पहुँच कर प्रथम स्थान हासिल किया। वर्ष 2023 में पाठशाला में द्वितीय कक्षा में पढने वाले छात्र दक्ष ने वन विभाग द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया। वर्ष 2023 में राजकीय प्राथमिक पाठशाला, बगाहर के छात्र अभिनव शर्मा ने SJMMS (स्वर्ण जयंती मिडल मेट्रिक स्कालरशिप) की परीक्षा उत्तीर्ण कर छात्र वृत्ति हासिल की है। शिक्षा खंड कोटखाई से अभिनव एकमात्र बच्चा है जो इस सूची में है। इन सभी सफलताओं का श्रेय मैं इन छात्रों के अभिभावकों को देती हूँ। बच्चों के इस प्रदर्शन में न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ा बल्कि उनके अभिभावकों को भी मौका मिला कि वे अपने बच्चों की सफलता का हिस्सा बने। साथ ही साथ पाठशाला के सभी अभिभावक भी यह अहसास कर पाए कि वह अपने बच्चों के व्यक्तित्व विकास की इस प्रक्रिया में अहम् भूमिका निभाते हैं। बच्चों के लिए सभी अभिभावकों के प्रयास दिन प्रति दिन बढ़ते जा रहे हैं।

निजी पाठशालाओं से बच्चों को निकाल कर मेरी पाठशाला में दाखिल किया गया। समुदाय का सहयोग मिला और यह विश्वास इतना मजबूत बन गया कि धीरे-धीरे सहयोग भी मिलने लगा। अभिभावकों के द्वारा पाठशाला में रोजमर्रा की अनेक वस्तुओं का प्रबंध किया गया। तत्कालीन ग्राम पंचायत देवगढ़ के प्रधान श्री रामानंद शर्मा उप प्रधान श्री गीता राम शर्मा तथा उनके कार्यकारिणी द्वारा पाठशाला को फिल्टर प्रदान किया गया। युवक मंडल भडेच द्वारा पाठशाला में छात्रों के लिए पुस्तकें तथा खेल सामग्री का प्रबंध किया गया ।

समुदाय से भी भरपूर सहयोग मिला है। Col Vivek Sharma (Ex Commandant RIMC, Dehradoon) द्वारा पाठशाला में स्मार्ट कक्षा कक्ष के लिए वर्ष 2020 में LED, 11 टेबल लैंप, 11 स्टडी टेबल और वर्ष 2023 में दीपावली के उपलक्ष पर बच्चों के लिए ट्रीट दी गई। वर्ष 2022 में स्थानीय निवासी, क्यार पंचायत, ग्राम सांबर से श्री ब्रिजेश शर्मा ने पाठशाला को 11,000 रुपये की राशि प्रदान की। वर्ष 2022 में एक रिटायर्ड प्रधानाचार्य श्री उमाशंकर शर्मा जी द्वारा .....जनहित में ज़ारी न करने के वादे के साथ ..... पाठशाला को वितीय सहयोग प्रदान किया। वर्ष 2022 में श्री अश्विनी प्रभाकर द्वारा पाठशाला को 11,000 रुपये की राशि प्रदान की गई। समुदायिक मेले में पाठशाला के बच्चों की प्रस्तुति पर जन-समुदाय द्वारा 35,000 रुपये की वितीय सहयोग राशि प्राप्त हुई। जिसकी सहायता से पाठशाला में छात्रों के लिए स्पीकर की व्यवस्था की गई। समुदाय से सहयोग मिलना भी तभी संभव हो पाया जब अभिभावक अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

बच्चों को अभिप्रेरित करने के लिए मैंने यह पाया कि उनकी हर एक्टिविटी को तवज्जो देना बहुत जरूरी है। यही बात ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2023 तक हर वर्ष हमने वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का पाठशाला में आयोजन किया। पहले शुरुआती वर्षों में इसका सारा खर्च मैंने स्वयं वहन किया। परंतु बाद में समुदाय से भरपूर सहयोग मिला और अभिभावकों और समुदाय के सहयोग से वित्तीय सहायता भी पाठशाला को प्राप्त हुई। इन सभी कार्यों के लिए वर्ष 2017 में हमारी पाठशाला को तत्कालीन माननीय निदेशक महोदय प्रारंभिक शिक्षा विभाग, श्री मनमोहन शर्मा जी के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस छोटे से कार्यकाल में शिक्षा के यज्ञ में मेरी आहुतियों को शिक्षा विभाग हिमाचल प्रदेश ने वर्ष 2018 में "राज्य शिक्षक पुरस्कार", सम्मान देकर सम्मानित किया। वर्ष 2022 में हिमाचल दस्तक की ओर से "नारी तू नारायणी" सम्मान से नवाजा गया।

यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि मुझे मेरे माता-पिता, मेरे मित्र, मेरे शिक्षकों, अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों, CHT, बीपीओ, BRC एवम् उच्च अधिकारियों, शिक्षा विभाग, सभी का सहयोग मिला और मैं यह सब कुछ कर पाई। परन्तु सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हमारे अभिभावक हैं। जिनके अनवरत प्रयास से सब कुछ संभव हुआ।

मेरी पाठशाला के अभिभावकों ने और मैंने अब एक साथ चलना शुरू कर दिया था। इस सफ़र को ज़ारी रखना बहुत ज़रूरी था। नहीं तो, जब तक मैं प्रयत्न करती तब तक कार्य होता परन्तु उसके बाद क्या ? अपेक्षित परिणाम पाना संभव न होता। मेरे पाठशाला से जाते ही, वही स्थिति उत्पन्न हो जाती जो पहले भी थी और ये मैं बिल्कुल सहन नहीं कर सकती थी।

आवश्यकता थी स्कूल में माता-पिता के बीच स्वामित्व की भावना उत्पन्न करने की। अक्सर उनके बच्चे की शिक्षा में भागीदारी, स्कूल की गतिविधियों में भागीदारी और शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ सहयोग से उत्पन्न होती है। जब माता-पिता जुड़ाव, और जुड़ाव महसूस करते हैं, तो शैक्षिक यात्रा के लिए एक सांझा जिम्मेदारी विकसित होती है। स्वामित्व की इस भावना को बढ़ावा देने में स्कूल और अभिभावकों के बीच संचार और पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी दिशा में मैंने काम करना शुरू किया।

इस सांझेदारी को मजबूत बनाना बहुत ज़रूरी था क्यों कि अभिभावक ही वो कड़ी हैं जिनका मजबूत होना उनके बच्चे के जीवन की नींव को मजबूत बना सकता है। मैंने माता-पिता की सांझेदारी को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहला काम, उन्हें पाठशाला की गतिविधियों के साथ जोड़ने का किया। इसके लिए पाठशाला में बच्चों की छोटी-छोटी प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई और अभिभावकों की उपस्थिति में उन्हें संपन्न करवाया। धीरे-धीरे उनकी समझ बनती गई तो कुछ प्रतियोगिताओं में उन्हें निर्णायकों की भूमिका में भी रखा। इन गतिविधियों से अभिभावक समझने लगे कि अपने बच्चों को सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में पाठशाला का कोई भी कार्य हो, अभिभावक एक भागीदार के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

पाठशाला में कोई भी कार्यक्रम हो, किसी भी सहयोग की आवश्यकता हो, सभी का पूरा सहयोग रहता है। कार्यक्रमों के दौरान रात-रात भर बिना थके, बिना रुके, अभिभावक कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। वर्ष 2022 में मेरी पाठशाला की पाठशाला प्रबंधन समिति को शिक्षा खण्ड कोटखाई में “Best SMC” का सम्मान दिया गया।

खास आभार पाठशाला प्रबन्धन समिती के प्रतिनिधियों, सभी अभिभावकों एवम् समुदाय के लोगों का, जिन्होंने दिन-रात, हर पल, हर क्षण निस्वार्थ भाव से मेरे इस मिशन को अपनाया और इस मुकाम पर ले जाने में निस्वार्थ भाव से सहयोग किया। यह कहना गलत नहीं होगा यदि मैं यह कहूँ कि मैंने जो भी सपने अपनी पाठशाला के लिए देखे, उनमें सभी अभिभावकों ने ही रंग भर कर उन्हें साकार किया है।

मजरूह सुल्तानपुरी ने क्या खूब कहा है: -

" मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल,

मगर लोग साथ आते गए और कारवाँ बनता गया।"

आज इस सहयोग से और इन प्रयासों की बदौलत मुझे प्रेरणा मिली है और सरकारी पाठशालाओं के प्रति लोगों की सोच वह नजरिया बदला है। मेरे पास पढ़ने वाले छात्रों के अभिभावक ही वो कड़ी हैं जिन्होंने मेरे लक्ष्य को प्राप्त करने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अभिभावकों को और ज्यादा मजबूती से बच्चों के विकास में सहयोगी बनाने के लिए मैंने एक मुहीम शुरू की है। जिसका नाम है- “माता-पिता भागीदार के रूप में” “Parent As a Partner”.

इसके अंतर्गत मैंने अभिभावकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें उन्हें “अभिभावक की डायरी”, गणित को आसानी से करने के टिप्स, भाषा से सम्बन्धी गतिविधियाँ, परिवार में आपसी संबंधों में मधुरता पर बातचीत, प्रभावी सम्प्रेषण, अच्छा स्पर्श-बुरा स्पर्श (Good Touch, Bad Touch), सकारात्मक सोच, आत्म-निर्भरता का महत्त्व, बच्चों के लिए रोल मॉडल बनना, शिक्षा के प्रति प्रेम, परिस्थितियों में सामंजस्य, बच्चे की जगह खुद को रख कर बच्चे की स्तिथि समझना और बच्चे को भी संवेदनशील बनाना (Empathy), अच्छा स्वस्थ जीवन जीना, मूल्य शिक्षा, बच्चों की तुलना न करना आदि अनेक महत्वपूर्ण बातों पर अनेक गतिविधियाँ की गईं तथा सभी के विचारों को सम्मान देते हुए चर्चा की गई। सभी अभिभावकों ने इस कार्यशाला के बाद स्वयं को सशक्त महसूस किया तथा उनके तथा उनके आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई।

इस तरह की कार्यशाला के आयोजन को करवाना इसलिए ज़रूरी है क्योंकि वर्तमान समय की इस अंधी दौड़ में कहीं हमारा बच्चा पिछड़ और बिछड़ न जाए, उसके लिए अभिभावकों को इतना सशक्त बनाना होगा कि वे अध्यापक के साथ मिल कर छात्रों के ऐसे व्यक्तित्व का विकास करने में सक्षम हों जो आने वाले समय में अच्छे समाज का निर्माण करने में सक्षम हो सके। अभिभावक इस बात को समझ पाएं कि उनका शरीर सबसे बड़ी तकनीक है, जिसके सकारात्मक प्रयोग से वे समाज का कायाकल्प कर सकते हैं।

मुझे पूर्ण आशा है कि मैं पूरी निष्ठा और सहयोग से इस छोटी सी नर्सरी से आने वाले समय में समाज के लिए न केवल उत्कृष्ट डॉक्टर,इंजीनियर, वकील, अध्यापक, खिलाड़ी, वक्ता, नेता, अभिनेता व जानी-मानी हस्तियां तैयार कर पाऊंगी बल्कि अच्छे इंसान व समाज को दिशा देने वाली सोच भी पैदा करूंगी और समाज निर्माण में यूं ही अपनी भूमिका अदा करती रहूंगी।

"तेजस्वी नावधीतमस्तु"

May learning illuminate us. (Both teacher and the taught)

Relevant Links:

Orientation : Parent as a Partner

Orientation of School Management Committee

Orientation of Group Leaders of Mother's group-1

Orientation of Mother's Group Leaders-2

School Mentoring Program

"मेरा बगाहर : अनुभूति से शिखर की ओर"

आशीर्वाद दिवस|शिक्षा और संस्कार साथ-साथ

Diwali Treat by Col Vivek Sharma

World Environment Day